- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 दिल्ली से पटना लौटे लालू प्रसाद यादव ने पत्रकारों के सवाल पर साधी चुप्पी

04 देश की मीडिया से सरकार क्यो है खिलाफ-मीडिया पत्रकार संघ

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, शनिवार, 07 अक्टूबर 2023 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 246

जिंदगी से बड़ी सजा ही नहीं, और जुर्म क्या है पता ही नहीं: उपराष्ट्रपति

मैं यह घोषणा करना चाहूंगा कि मैं सत्ता में बैठे लोगों से यह उम्मीद नहीं करता कि वे संवैधानिक पदों को हल्के में लेंगे।

जयपुर।"जिंदगी से बड़ी सजा ही नहीं, और जुर्म क्या है पता ही नहीं।" उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का ये शायराना अंदाज शुक्रवार को सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ में मोदी यूनिवर्सिटी में दिखा। वे यहां छात्रों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने शायराना अंदाज में मुख्यमंत्री गहलोत के तंज का जवाब दे डाला।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के लगातार राजस्थान दौरों को लेकर सवाल खड़े किए थे। गहलोत ने करीब आठ दिन पहले जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में मिशन 2030 के लिए जनसंवाद कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति के बार-बार राजस्थान दौरे को लेकर सवाल उठाए थे। गहलोत ने कहा था कि पहले प्रधानमंत्री आए और अब उप राष्ट्रपति अप-डाउन कर रहे हैं। अब उप राष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि मैं केंद्र सरकार और अन्य कई कार्यक्रमों में आमंत्रण आने पर जाता हूं। राज्य सरकार ने मुझे आमंत्रित नहीं किया है। कहा कि मन दुखी तो होता है कि किन-किन शब्दों का प्रयोग कर लिया, उबरना बड़ा मुश्किल है। आपकी संस्था इतनी अच्छी है और कोई बेवजह अनर्गल बात कहे तो उनके उत्साह में कितनी कमी आएगी। मैं सबसे अपील करता हूं कि यह हमारा देश है और हम सभी इसके नौकर हैं। हमें कभी ऐसा परसेप्शन जनरेट नहीं करना चाहिए कि बेवजह संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को राजनीति में घसीटा जाए, यह ठीक नहीं है। मैं यहां आया हूं, ठीक काम कर रहा हूं, पहले भी कई जगह गया। पर कुछ लोगों ने कहा कि आप क्यों आते हो बार-बार? पता नही क्यों कह रहे हो कि बार-बार,... थोड़ा अचंभित हो गया, क्योंकि कहने वाले ने ना तो संविधान को पढ़ा, ना कानून को पढ़ा, ना अपने पद की मर्यादा रखी।

उन्होंने कहा कि यदि अगर थोड़ा सोच लेते, कानून में झांक लेते तो उनको पता लग जाता कि भारत के उपराष्ट्रपति की कोई भी यात्रा अचानक नहीं होती है। काफी सोच-विचार और मंथन-चिंतन के बाद होती है। इसके बावजूद कह दिया कि आपका आना ठीक नहीं है! किस कानून के तहत पता नहीं! क्योंकि राज्य सभा में शेरो-शायरी होती है, रास्ते में मैंने भी एक छोटी सी कविता लिख दी, और मैंने कहा कि सबसे पहले आपसे साझा करूं, इस कविता को लिखने से पहले मुझे गजल याद आ गई, उस गजल में था -

इसी के तर्ज पर दुखी होकर पीड़ित महसूस कर कि मुझे इस मामले में क्यों घसीटा, मेरा काम तो संविधान संबंधित था, जनता के भले के लिए था, कृषक पुत्र होने के नाते जैसे मेरी उन्नति हुई है तो मैं हर संस्था में भी गया... और बाकी मेरी यात्रा विधानसभा के अध्यक्ष के निमंत्रण पर हुई, केंद्र सरकार के कार्यक्रमों में हुई। राज्य सरकार ने कोई कार्यक्रम नहीं बनाया, न ही बुलाया, मुझे तो कोई परेशानी नहीं है, उनका विवेक है वह जानें। मैंने जो कविता बनाई -

खता क्या की हमने, पता ही नहीं!
आपत्ति क्यूं है उन्हें हमारे घर आने की,
पता ही नहीं!
ये कैसा मंजर है समझ से परे है,
सवालिया निशान क्यों है अपने घर आने में,
क्या जुल्म है?
पता ही नहीं!!

यहीं छोड़ता हूं इस बात को। इस मंच से मैं यह घोषणा करना चाहूंगा कि मैं सत्ता में बैठे लोगों से यह उम्मीद नहीं करता कि वे संवैधानिक पदों को हल्के में लेंगे। लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। संवैधानिक पदों का हमेशा ही सम्मान होना चाहिए।

वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई निर्णायक दौर में : अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि वामपंथी उग्रवाद को अगले दो वर्षों में पूरी तरह समाप्त करने के संकल्प का यह वर्ष है। राज्यों के सहयोग से 2022 और 2023 में इस समस्या के खिलाफ बड़ी सफलताएं प्राप्त हुई हैं। अब यह लड़ाई निर्णायक दौर में आ चुकी है।

अमित शाह ने नई दिल्ली में वामपंथी उग्रवाद प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री एवं अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में केंद्रीय मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, केंद्रीय गृह सचिव, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के महानिदेशक, केंद्र सरकार के सचिव, राज्यों के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। शाह ने आगाह किया कि वामपंथी उग्रवाद से मुक्त हुए क्षेत्रों में लगातार निगरानी बनाए रखने की ज़रूरत है जिससे वहां यह समस्या फिर से खड़ी न हो सके। हमारी जीरो टॉलरेंस की नीति के परिणामस्वरूप चार दशक में सबसे कम हिंसा और मृत्यु 2022 में दर्ज की गई है।

गृहमंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले कुछ वर्षों में वामपंथी उग्रवाद पर नकेल कसने में अच्छी सफलता हासिल हुई है, अब यह लड़ाई निर्णायक दौर में आ चुकी है। उन्होंने कहा कि 2019 के बाद से अब तक निर्वात क्षेत्र सिकुड़ता जा रहा है, हमने सीएपीएफ के 195 नए शिविर स्थापित किए हैं, साथ ही 44 नए शिविर और स्थापित किए जाएंगे।

मोदी सरकार की प्राथमिकता वामपंथी उग्रवाद के ख़िलाफ़ सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती, विकास का संतुलन और निर्वात क्षेत्रों में शिविर स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि 2005 से 2014 के कालखंड के मुकाबले 2014 से 2023 के बीच वामपंथी उग्रवाद संबंधी हिंसा में 52 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है, सुरक्षाबलों की मृत्यु में 72 प्रतिशत और नागरिकों की मृत्यु में 68 प्रतिशत तक की कमी भी आई है।

कांग्रेस की सरकार सत्ता में आई तो कराई जाएगी जातीय जनगणना : प्रियंका वाड्रा

कांकेर। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने एक चुनावी सभा में वादा किया कि अगर अगले चुनाव में छत्तीसगढ़ में सरकार बनी तो बिहार की तरह यहां पर भी जातीय जनगणना कराई जाएगी। भूपेश सरकार में बस्तर प्रमुख पर्यटन स्थल, अंतरराष्ट्रीय नाम व मॉडल बन गया है। सरकार छत्तीसगढ़ की संस्कृति को बढ़ाने का काम कर रही है।

कांकेर में शुक्रवार को जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जब इंदिरा गांधी 1972 में बस्तर आई थी, तब उन्होंने स्वामी आत्मानंद से कहा था कि छत्तीसगढ़ में शिक्षा का विकास करना है, भूपेश सरकार यह कार्य कर रही है। उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने गरीब, पिछड़ों, आदिवासियों के लिए काम किया है। भूपेश सरकार ने पेसा कानून लागू कर लोकतंत्र को मजबूत करने का काम किया है। प्रियंका ने घोषणा की कि कांग्रेस सत्ता में आई तो बिहार की तरह यहां जातीय जनगणना कराई जाएगी। स्वामी आत्मानंदजी के नाम से आज प्रदेश में विद्यालय और महाविद्यालय खोले गए। बस्तर एक अंतरराष्ट्रीय नाम व मॉडल बन गया है। सरकार छत्तीसगढ़ की संस्कृति को बढ़ाने का काम कर रही है।

गडकरी ने हिमाचल के लिए 154.25 करोड़ की योजनाओं को दी मंजूरी

बीएनएम@नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि देश में सुचारू रूप से परिवहन मजबूत करने के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करना मोदी सरकार की पहली प्राथमिकता है। केंद्रीय सड़क एवं अवसंरचना निधि के तहत हिमाचल प्रदेश के ऊना और कांगड़ा क्षेत्र के लिए 154.25 करोड़ रुपये की योजनाएं स्वीकृत की गई हैं।

गडकरी ने एक्स पर कहा कि हाल ही में हिमाचल प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित रहा है और इस संबंध में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के साथ हिमाचल में बुनियादी ढांचे के लिए नई स्वीकृतियों के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई। मंत्री ने कहा कि इस मंजूरी के तहत 50.60 करोड़ रुपये की लागत से स्वां नदी पर और 103.65 करोड़ रुपये की लागत से ब्यास नदी पर पोंग बांध का निर्माण किया जाएगा।

शामिल अफ्रीकी संसद के अध्यक्ष पहली बार भारत में पी-20 कार्यक्रम में भाग लेंगे।

प्रधानमंत्री 13 अक्टूबर को 9वें पी-20 सम्मेलन का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 अक्टूबर को द्वारका के यशोभूमि में 9वें जी-20 संसदीय अध्यक्षों के सम्मेलन (पी-20) का उद्घाटन करेंगे। दो दिवसीय सम्मेलन में जी-20 देशों के अलावा 10 अन्य देश और अंतरराष्ट्रीय संगठन भाग लेंगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को संसद भवन परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी। बिरला ने बताया कि 9वां पी-20 सम्मेलन 13 एवं 14 अक्टूबर को नवनिर्मित इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर, यशोभूमि, द्वारका, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 अक्टूबर को सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे।

उन्होंने कहा कि सम्मलेन में जी-20 देशों के अलावा 10 अन्य देश और अंतराष्ट्रीय संगठन भाग लेंगे और अब तक 26 अध्यक्षों, 10 उपाध्यक्षों, 01 समिति अध्यक्ष और आईपीयू अध्यक्ष समेत 50 संसद सदस्यों और 14 महासचिवों ने इस सम्मेलन में भागीदारी की पुष्टि की है। बिरला ने बताया कि पैन-अफ्रीकी संसद के अध्यक्ष पहली बार भारत में पी-20 कार्यक्रम में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि 'वसुधैव कुटुंबकम- एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' की भावना के साथ, भारत का लक्ष्य अधिक समावेशी, शांतिपूर्ण और न्यायसंगत विश्व की दिशा में जटिल वैश्विक मुद्दों का सर्वसम्मति पर आधारित समाधान प्रदान करना है। शिखर सम्मेलन का समापन संयुक्त वक्तव्य के साथ होगा, जिसमें जी-20 सरकारों से समानता, समावेशिता और शांति के आधार पर प्रमुख वैश्विक चुनौतियों का समाधान देने का आग्रह किया जाएगा।

पी-20 सम्मेलन में चार उच्चस्तरीय सत्रों का आयोजन किया जाएगा। इसमें सतत विकास लक्ष्यों के लिए एजेंडा 2030: उपलब्धियों का प्रदर्शन, प्रगति में तेजी लाना; सतत ऊर्जा परिवर्तन: हरित भविष्य के प्रवेश द्वार; लैंगिक समानता को मुख्यधारा में लान।

अशोक चौधरी ने जातीय गणना के सर्वे मामले में भाजपा पर किया पलटवार

आंकड़े पर संदेह है तो जातीय जनगणना करवाए केंद्र सरकार: संजय कुमार झा

बीएनएम@पटना। जातीय गणना के मामले में भाजपा के आरोपों का खंडन भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी ने किया। उन्होंने शुक्रवार को पार्टी कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम के बाद कहा कि भाजपा शुरू से ही जातीय गणना की विरोधी रही है। जबकि न्यायालय में भी जाकर भाजपा के लोगों ने व्यवधान उत्पन्न करने का भरसक प्रयास किया गया। जिन्हें जातीय गणना के आंकड़े पर संदेह है उन्हें प्रामाणिक आधार प्रस्तुत करना चाहिए।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अशोक चौधरी ने कहा कि कौन किसके कंधे पर बैठकर आगे बढ़ा है यह पूरा देश जानता है। नीतीश कुमार के साथ आने से पहले बिहार में भाजपा की क्या हैसियत थी यह बताने की आवश्यकता नहीं है। जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को यदि जाति आधारित गणना के आंकड़े पर विश्वास नहीं है तो केंद्र सरकार जनगणना के माध्यम से तमाम जातियों की गिनती करवा ले। इससे वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो जायेगी और भाजपा का संदेह भी दूर हो जायेगा।

दरभंगा एम्स मामले पर संजय झा ने कहा कि दरभंगा में एम्स के निर्माण के लिए बिहार सरकार ने शोभन में 151.17 एकड़ जमीन मुफ्त में मुहैया करवाई और साथ में मिट्टी भराई के लिए भी 309 करोड़ रुपये मंजूर दी, ताकि उक्त भूमि को तैयार करने में कोई विलंब न हो लेकिन केंद्रीय टीम ने उसे अनुपयुक्त करार दे दिया। भाजपा के जितने भी नेतागण धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं वो केंद्र सरकार से शोभन के लिए एनओसी दिलवाए। तुरंत वहां दरभंगा एम्स का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

राजधानी पटना में बीती रात तीन की संदिग्ध अवस्था में मौत, छह गंभीर

पटना। गर्दनीबाग मोहल्ले में बीती रात संदिग्ध अवस्था में तीन लोगों की मौत हो गई, वहीं एक बच्चे समेत छह की स्थिति गंभीर है। पटना के रहने वाले 13 लोग रोहतास के गुप्ताधाम गए थे। वहां से वापस लौटने के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। मरने वालों में स्थानीय निवासी राकेश यादव (35) रामनाथ यादव (30) और संजय कुमार (45) के नाम सामने आए हैं। मोहल्ले के 13 लोग गुप्ताधाम (सासाराम) तीर्थ यात्रा पर गए थे। तीन दिनों तक वहां रहकर लौटे 10 लोगों में नौ लोगों की तबीयत एक हफ्ते बाद बिगड़ने लगी।

इसमें से तीन ने दम तोड़ दिया। एक बच्चे व छह की हालत गंभीर बनी है।मरने वालों में बुखार का लक्षण था, उन्हें तेज बुखार की शिकायत है। एक व्यक्ति पटना एम्स में भर्ती है। तीन लोगों को न्यू बाइपास किनारे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय मोहल्ले के निवासियों के अनुसार, हर वर्ष मोहल्ले के लोग जत्था बना कर गुप्ताधाम दर्शन के लिए जाते हैं। इस वर्ष भी मोहल्ले से 13 लोग गए थे जिसमें तीन बाहर के रहने वाले हैं। 10 सितम्बर को ट्रेन से सासाराम गए। फिर वहां से गुप्ताधाम पहुंचे। 14 सितम्बर घर लौटकर अपने काम-धंधे में जुट गए। 21-22 सितंबर से सभी लोगों को शारीरिक परेशानी होने लगी। बुखार आने पर स्थानीय दवाखाना से दवाइयां खरीद कर खा ली। बुखार कम नहीं हुआ अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।राकेश और रामनाथ यादव (30) की हालत बिगड़ गई। राकेश को नजदीकी अस्पताल लेकर जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। संजय कुमार को काफी मशक्कत के बाद मोहल्ले के लोगों ने एम्स, पटना में भर्ती कराया।थोड़ी देर बाद रामनाथ और संजय की तबीयत भी खराब हो गई।

सुशील मोदी ने कहा कि जातीय गणना के सर्वे रिपोर्ट की समीक्षा होनी चाहिए

पटना। राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने बिहार में हुए जातीय जनगणना के सर्वे रिपोर्ट की समीक्षा होनी चाहिए। उन्होंने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा है कि जातीय सर्वे की रिपोर्ट सार्वजनिक होने के बाद सत्ता से जुड़ी चुनिंदा जातियों को छोड़ कर लगभग सभी जातियों के लोग ठगा महसूस कर रहे हैं।

सुशील मोदी ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा और जदयू के एक सांसद सहित अनेक लोग जब सर्वे के आंकड़ों को विश्वसनीय नहीं मान रहे हैं तब सर्वे प्रक्रिया की समीक्षा कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार में जातीय सर्वे कराने के सरकार के नीतिगत निर्णय पर हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की मुहर लगने के बाद अब कानूनी रूप से सर्वे को लेकर कोई कानूनी मुद्दा नहीं है।

दूसरी तरफ सर्वे की विश्वसनीयता जनता का मुद्दा बन गया है। ऐसी शिकायतें मिलीं कि प्रगणकों ने अनेक इलाकों के आंकड़े घर बैठे तैयार कर लिए। उन्होंने कहा कि वैश्य, निषाद जैसी कुछ जातियों के आंकड़े 8-10 उपजातियों में तोड़ कर दिखाये गए, ताकि उन्हें अपनी राजनीतिक ताकत का एहसास नहीं हो। यह किसके इशारे पर हुआ ? राज्य में वैश्य समाज की आबादी 9.5 फीसदी से अधिक है लेकिन यह सर्वे में दर्ज नहीं हुआ। जिस जाति-धर्म के लोग वर्तमान सत्ता के साथ हैं उनकी संख्या को बढ़ा-चढ़ा कर दिखाने के लिए उपजातियों के आंकड़े छिपाये गए। सुशील मोदी ने कहा कि जातीय सर्वे पर जो संदेह-सवाल उठ रहे हैं, उनका उत्तर राज्य सरकार को देना चाहिए, पार्टी प्रवक्ताओं को नहीं।

बिहार में उग्रवाद की घटनाएं न्यूनतम : विजय चौधरी

पटना। गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित वामपंथ/उग्रवाद संबंधी शुक्रवार को हुई समीक्षा बैठक में स्पष्ट हुआ कि इस मामले में बिहार सरकार की उपलब्धि अग्रणी है। बैठक में भाग लेते हुए वित्त मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि यह नीतीश कुमार के प्रभावकारी नेतृत्व एवं नीतियों का नतीजा है कि बिहार में उग्रवाद की घटनाएं न्यूनतम है। कहा कि सितम्बर, 2021 में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री ने जिन मुद्दों को उठाया था, उसमें किसी पर भी अमल नहीं किया गया। केन्द्र से मांग कि एसआईएस योजनाओं को केन्द्र प्रायोजित योजना की जगह केन्द्रीय बनायी जाय। जिन इलाकों में उग्रवादी गतिविधियां रुकीं हैं, वहां सुरक्षा बलों की तैनाती पांच वर्षों तक रखी जाय, अन्यथा फिर से पनपने की आशंका हो सकती है। नक्सलवाद मुक्त भारत घोषित करने की हड़बड़ी में सुरक्षा बलों को बिना राज्य की सहमति के वापस बुलाया जाय।

दिल्ली से पटना लौटे लालू प्रसाद यादव ने पत्रकारों के सवाल पर साधी चुप्पी

बीएनएम@पटना

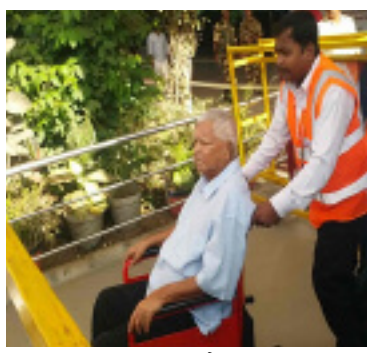

लैंड फॉर जॉब मामले में दिल्ली के राउज एवेन्यु कोर्ट से जमानत मिलने के बाद राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव शुक्रवार को दिल्ली से पटना लौटे। उनके साथ उनकी पत्नी राबड़ी देवी में थी। पटना एयरपोर्ट पर उन्होंने पत्रकारों के किसी भी सवाल का जवाब नहीं दिया है। जबकि एयरपोर्ट पर उतरने के बाद उन्हें व्हील चेयर पर बैठाकर वहां बाहर लाया गया। कड़ी सुरक्षा के बीच उन्हें कार में बिठाया गया।

लालू यादव तीन अक्टूबर को दिल्ली गए थे और अगले दिन लालू, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव, बेटी मीसा भारती सहित अन्य लोग कोर्ट में पेश हुए थे। हालांकि, कोर्ट से उन्हें राहत मिल गई है। पटना लौटने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने हवाईअड्डे पर उनका जोरदार स्वागत किया गया है। पत्रकारों ने लालू यादव से आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी से जुड़ा सवाल किया तो वे चुपचाप हवाईअड्डे से निकल गये।

पत्रकारों ने उनसे बीते गुरुवार बिहार आये जेपी नड्डा के बयानों पर भी सवाल किया, जिसपर उन्होंने काई प्रतिक्रिया नहीं दी। लालू यादव जब रेल मंत्री थे तब वर्ष 2004 से 2009 के बीच में उन पर रेलवे में लोगों को नौकरी के बदले जमीन हड़पने का आरोप लगाया गया। इसी मामले में लालू और उनके परिवार वालों की कोर्ट में पेशी हुई थी।

अपशब्द विधायक सरेआम मीडिया कर्मियों से गाली-गलौच कर रहे हैं।

जदयू विधायक गोपाल मंडल ने पत्रकारों को दी गाली

बीएनएम@पटना। बिहार में जंगलराज की बानगी पूरी तरह से दिख रही है। एक तरफ अपराधी राज्य में बेलगाम हैं तो दूसरी ओर विधायक भी उनसे कम नहीं। वो भी सत्तारूढ़ जदयू के। नीतीश कुमार के विधायक सरेआम मीडिया कर्मियों से गाली-गलौच कर रहे हैं। नीतीश के विधायक मीडिया कर्मियों को कहते हैं कि तुम हमारे बाप हो। साथ ही उन्होंने इस तरह की बातें कही हैं जो सार्वजनिक तौर पर लिखा या कहा भी नहीं जा सकता है।

जदयू पार्टी कार्यालय में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह भी मौजूद थे। इस बीच पार्टी के विधायक गोपाल मंडल से पत्रकारों ने सवाल किया कि आखिर क्या वजह रही है कि आप पिस्तौल लेकर अस्पताल में पहुंच गए। इसके जवाब में गोपाल मंडल ने कहा कि अरे पिस्तौल तो अभियो है मेरे पास। दिखावें...दिखावें पिस्टल..क्या कहना चाहते हो..रखते हैं पिस्टल..नहीं हम जैसे है न बेल्टवा छूट गया पिस्टल ले लिए उसको पैजामा में रखें ..जैसे सीढ़ी पर कदम रखें न..हुआ क्या कि पैजामा नीचे गिरने लगा। अरे यार तुमलोग पत्रकार हो क्या हो.. हमको मुश्किल लगता है कमर में पिस्टल को रखना.. हां-हां लहराएंगे ..लहराएंगे तुमलोग हमारा बाप हो...बाप हो जो मना करोगे....अपशब्द। जाओ उखाड़ लेना।

नरेंद्र नीरज उर्फ गोपाल मंडल भागलपुर जिले के गोपालपुर विधानसभा से विधायक हैं। वे 03 अक्टूबर की शाम हाथ में रिवाल्वर लिए जवाहर लाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय सह अस्पताल भागलपुर में चले गए। गोपाल मंडल रिश्ते में लगने वाली पोती अवनि को लेकर पहुंचे थे। उसका सिटी स्कैन कराना था। विधायक जब अस्पताल में घुसे तो उनके हाथ में रिवाल्वर को देख लोग भी सकते में आ गए। इसके बाद जब उनसे यहां के पत्रकारों ने सवाल किया तो कहा कि उनके राजनीतिक दुश्मन हैं। इसलिए उन्होंने हथियार रखा है। उनके पास उसका लाइसेंस भी है। साथ में लेकर इसलिए चलते हैं कि उनकी जान की रक्षा हो सके। कहा कि कहीं कोई विवाद नहीं है। वो इसी तरह चलते हैं। यदि जरूरत है तो सीधा ठोक देंगे।

बिहार से 8 अक्टूबर के बाद लौट सकता है मॉनसून, आज कुछ हिस्सों में होगी बारिश

बीएनएम@पटना

बिहार की राजधानी पटना सहित अन्य जिलों में गुरुवार को कही हल्की तो कही झमाझम बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। इसके साथ ही लोगों ने गुलाबी ठंड का भी मजा लिया लेकिन इस बीच मौसम विभाग का कहना है कि 8 अक्टूबर से मॉनसून के लौट सकता है। हालांकि विभाग के अनुसार शुक्रवार को बिहार के कुछ हिस्सों में बारिश होगी। राजधानी पटना की बात करें तो पटना में आसमान साफ रहेगा। न्यूनतम तापमान 25 और अधिकतम 33 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार बिहार में हल्की से मध्यम स्तर की बारिश हो सकती है। बिहार में छह अक्टूबर तक मॉनसून के सक्रिय बने रहने के आसार हैं। आइएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक दक्षिण मध्य बिहार के पटना, गया, नालंदा, शेखपुरा, नवादा, बेगूसराय, लखीसराय और जहानाबाद के क्षेत्रों में अच्छी बारिश होने की संभावना है।

गुरुवार को हुई बारिश से कई जगहों पर जलजमाव देखा जा रहा है तो किसानों के चेहरे खिले हुए हैं। किसानों का कहना है कि अभी जो बारिश हो रही है वह फसल के लिए अमृत है। गुरुवार को हुई बारिश से राज्य के लोगों को उमस भरी गर्मी से निजात मिली। रात में सोने समय लोगों को पंखा चलाने की भी जरूरत महसूस नहीं हो रही थी।

मंडल कारागार बेतिया में कैदियों की हुई टीबी की जांच

महिला कैदियों को टीबी से बचाव को किया जागरूक

हर महीने की 5 तारीख को होती है जाँच

बीएनएम@बेतिया

स्वास्थ्य विभाग के निर्देश के अनुसार कारागार में कैदियों के स्वास्थ्य सम्बंधित परेशानी को देखते हुए समय समय पर मेडिकल कैंप का आयोजन करने की सलाह दी गईं है। इसके आलोक में कैदियों की टीबी, एचआईवी, शुगर, बीपी व अन्य कई तरह की जाँच की जा रही है। साथ ही उन्हें बीमारियों की पहचान हेतु लक्षण व बचाव हेतु उपाय बताए जा रहे हैं।

ताकि कैदी सुरक्षित रहें। गुरुवार को मंडल कारा बेतिया में कैदियों के बीच टीबी जांच शिविर का आयोजन कर 60 कैदियों की जांच के लिए सैंपल कलेक्शन किया गया। इस दौरान जिला यक्ष्मा केंद्र के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ चेतन जायसवाल ने बताया कि विभागीय निर्देश के आलोक में हर महीने की 5 तारीख़ को मंडल कारा में कैदियों के बीच टीबी बीमारी की जांच की जाती है। ताकि कैदियों के शरीर में संभावित एवं छिपे हुए टीबी का ससमय पता लगाकर स्क्रीनिंग कर उन्हें बेहतर उपचार प्रदान किया जा सके।

महिला कैदियों को टीबी से बचाव को किया जागरूक

केएचपीटी की जिला लीड मेनका सिंह ने महिला कैदियों को टीबी के बारे में विस्तृत जानकारी दी। बताया कि अगर किसी व्यक्ति को लगातार दो हफ्तों से ज्यादा खांसी, बुखार,बलग़म में खून आना,वजन में कमी,भूख न लगने की शिकायत हो तो उन्हें सरकारी अस्पताल में जाकर अपनी जाँच कराने की सलाह दी जाती है।मेनका ने बताया कि सामुदायिक जागरूकता से ही टीबी को समाज से पूरी तरह समाप्त कर सकते हैं।

2025 तक टीबी उन्मूलन का है लक्ष्य

जिले के सिविल सर्जन डॉ श्रीकांत दुबे ने कहा कि टीबी एक गंभीर संचारी रोग है। जिसका समय पर इलाज न होने से एक दूसरे से संक्रमण बढ़ने की संभावना बनी रहती है। जिले को 2025 तक टीबी मुक्त बनाने के लिए शिक्षित वर्ग व समाजसेवी संस्थाओं को आगे आकर लोगों को जागरूक करना होगा। उन्होंने बताया कि जेल में बंद कैदियों की जांच इसी क्रम में एक अच्छी पहल है। इस पहल के जरिए जेल में बंद कैदियों की भी टीबी की जाँच व पहचान सुनिश्चित हो सकेगी। मौके पर एसटीएलएस राजीव कुमार, एसटीएस प्रभुनाथ राम,जिला यक्ष्मा केंद्र के डीईओ सूरज कुमार,अशोक कुमार आदि उपस्थित थे।

रघवा नदी में डूबने से किशोरी की हुई मौत

बीएनएम@केसरिया। थाना क्षेत्र के बथना स्थित रघवा नदी में डूबने से एक किशोरी की मौत हो गई है। घटना शुक्रवार की है। मृतक बथना पंचायत के वार्ड नंबर सात निवासी देवेन्द्र सहनी की 13 वर्षीय पुत्री दिव्या कुमारी थी। जानकारी के अनुसार गाँव की महिलाएं जीवित्पुत्रिका व्रत के अवसर पर रघवा नदी में स्नान करने गई थी। नदी में स्नान के दौरान महिलाओं ने एक शव को नदी में देखा। जिसके बाद महिलाएं शोर मचाते हुए बाहर निकली। परिजनों को इस घटना की सूचना दी गई। ग्रामीणों के अनुसार दिव्या पहले ही उस नदी में नहाने के लिए आयी थी। इस दौरान वह गहरे पानी चली में चली गई। जहाँ डूबने से उसकी मौत हो गई। इधर घटना की सूचना पर पुलिस पहुँच कर शव के पोस्टमार्टम की कार्रवाई में जुट गई।

विधायक ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का किया दौरा

बीएनएम@केसरिया

प्रखण्ड क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित कढ़ान पंचायत का शुक्रवार को विधायक शालिनी मिश्रा ने दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पंचायत के गंडक तटवर्ती वार्ड नौ व दस का निरीक्षण किया। उन्होंने नदी में हो रही कटाव आदि की जानकारी ली। वहीं नदी तट पर हो रही कटावरोधी कार्य में तेजी लाने को कहा। उन्होंने मौजूद अधिकारियों को क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों पर विशेष नजर रखने को कहा। ताकि आपदा पूर्व राहत व बचाव कार्य किया जा सके। निरीक्षण के दौरान अंचलाधिकारी प्रवीण कुमार सिन्हा के अलावा जदयू प्रखण्ड अध्यक्ष मो इशाक आजाद, संजय किशोर तिवारी सहित अन्य मौजूद थे।

लोगों की समस्याओं, शिकायतों से अवगत हुए जिलाधिकारी

जिलाधिकारी के जनता दरबार में कई मामलों का ऑन-द-स्पॉट हुआ समाधान

बीएनएम@बेतिया। जिलाधिकारी कार्यालय प्रकोष्ठ में शुक्रवार को पूर्व निधारित कार्यक्रम के अनुसार जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी, श्री दिनेश कुमार राय ने लोगों की समस्याओं एवं शिकायतों को बारी-बारी से सुना। वहीं, जनता दरबार में कई समस्याओं/शिकायतों का भी ऑन-द-स्पॉट समाधान कराया गया। इसके साथ ही कई मामलों में संबंधित अधिकारियों को फोन कर समस्याओं का समाधान करने के लिए शीघ्र समुचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी के जनता दरबार में कुल-90 मामले आये, जिसमें राजस्व शाखा के 40, आवास के 05, सामाजिक सुरक्षा के 05, आपूर्ति के 05, गृह रक्षा वाहिनी के 10 सहित अन्य विभागों से संबंधित मामले शामिल हैं। जिन मामलों का समाधान आज नहीं हो पाया, उसे संबंधित विभाग/अधिकारियों को भेजते हुए त्वरित गति से नियमानुकूल समाधान कराने हेतु निर्देशित किया गया है।

आज के जनता दरबार में जिन लोगों द्वारा अपनी समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया, उनमें भागवत प्रसाद गुप्ता, प्रियात्मा कुमारी, ललीता देवी, कैफुल वारा, सलाउद्दीन अंसारी, नजरूल खातुन, संध्या जायसवाल, संजय कुमार, अजय कुमार श्रीवास्तव, छठु कुमार साह, मुस्तफा साह, संजीव अशोक, ललीता देवी, शिवशंकर सिंह, रामविलास साह, सुधांशु कुमार, सुरेन्द्र कुमार, मीना सिन्हा, मोनिका कुमारी आदि के नाम शामिल है। इस अवसर पर अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अनिल राय, जिला आपूर्ति पदाधिकारी कुमार रविन्द्र,बेतिया एसडीएम विनोद कुमार, जिला पंचायत राज पदाधिकारी मनीष कुमार, निदेशक डीआरडीए सुजीत बरनवाल, वरीय उप समाहर्ता, डॉ. राजकुमार सिन्हा, बेबी कुमारी सहित अन्य जिलास्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कृषियंत्र नई तकनीक के कृषि उपकरण के बारे में किसानों को अवगत कराया।

कृषि महोत्सव में योजनाओं की दी गई जानकारी

बीएनएम@केसरिया

संकल्प सप्ताह कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को प्रखण्ड क्षेत्र के पश्चिमी सरोतर पंचायत में कृषि महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस आयोजन में कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, अभियान व कार्यक्रम की जानकारी दी गई।

वहीं मौजूद किसानों को खेती की नई तकनीक व जैविक खेती के बारे में विस्तार से बताया गया। प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी राजेश कुमार ने विभाग द्वारा संचालित एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना, जैविक खेती प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री तीव्र बीज विस्तार कार्यक्रम, डीजल अनुदान आदि के बारे में विस्तार से बताया। वहीं बीटीएम दिलीप कुमार सिंह ने नई तकनीक के कृषि उपकरण आदि के बारे में किसानों को अवगत कराया। भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रितेश कुमार ने पशुओं के रोग व उसके उपचार आदि के बारे में जानकारी साझा की है।

देश की मीडिया से सरकार क्यो है खिलाफः मीडिया पत्रकार संघ

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमला रोको: अमानुल हक

बीएनएम@बेतिया

भारत वर्ष के पत्रकारों सहित दिल्ली में 46 पत्रकारों पर यू ए पी ए के तहत मुकदमा दर्ज कर उनको डराने धमकाने और जेलों में बंद करने के खिलाफ पत्रकारों के हित का संगठन भारतीय ऑल मीडिया पत्रकार संघ ने अपने हेड ऑफिस मे सभी पत्रकारों की एक आपात बैठक बुलाई है। और लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हो रहे हमला को तीखे शब्दों में निन्दा किया गया है।

सभा को सम्बोधित करते हुए भारतीय ऑल मीडिया पत्रकार संघ के राष्ट्रीय महासचिव व चेयरमैन डॉ अमानुल हक ने कहा कि ये सारे पत्रकार सरकार के चरण बन्दना छोड़ कर जन पक्षीय पत्रकारिता कर रहे है इसीलिए ये सभी पत्रकार सरकार के निशाने पर हैं, आगे कहा कि सरकार के आदेश पर पुलिस ने इनपर यू ए पी ए के तहत मुकदमा दायर कर जांच शुरू कर दिया है। हो सकता है कभी भी किसी बहाने इनका मुंह बंद कराने के लिए इन्हें हमेशा हमेशा के लिए जेलों में डाला जा सकता है, बिहार सहित बेतिया में भी कुछ सोशल मीडिया व प्रिंट सहित इलेक्ट्रॉनिक से जुड़े पत्रकारो पर मुकदमा दर्ज कर दिया गया है जबकि पूर्वी चंपारण का मनीष हत्या कांड मे दोषी को अब तक सजा नही मिलना यह सब क्या है? सरकार देश में पत्रकारों के बीच भय पैदा कर रही है, ताकि कोई भी सरकार की आलोचना करने की हिम्मत नहीं करें, हम कह सकते हैं कि देश में मीडिया को बडावा देने के बजाए इस पर सेंसर लगा रही है।

आखिर प्रशासन व सरकार पत्रकारों से क्या चाहती है। मीडिया व पत्रकार तो समाज का आईना है। पत्रकार डॉ अमानुल हक ने आगे कहा कि अब बोलने लिखने और समाज मे हक़ की लड़ाई करने की मनाही क्यों? स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारिता पर लगातार हमला जारी है। जिन पत्रकारों पर हमला और घरों पर दिल्ली पुलिस द्वारा छापा मारा गया है, वह निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए जाने जाते हैं और हमेशा से ही सरकार व प्रशासन को आईना दिखाने का काम करते रहे हैं। भारतीय ऑल मीडिया पत्रकार संघ राष्ट्रीय महासचिव ने आगे कहा कि हम लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमला नहीं सहेंगे इस को नही रोका गया तो संघ आंदोलन करेगी।

दिल्ली सरकार की तर्ज पर आंगनबाड़ी केंद्रों को विकसित करे सरकार

बीएनएम@केसरिया

आम आदमी पार्टी ने विभिन्न मांग को लेकर शुक्रवार को प्रखण्ड कार्यालय के समक्ष एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। धरना-प्रदर्शन की अध्यक्षता करते हुए पार्टी के जिला प्रवक्ता रामाधार राय ने कहा कि केसरिया प्रखण्ड अंतर्गत अधिकांश कार्यालयों में भ्रष्टाचार व्याप्त है। जिसके कारण आमजन को आर्थिक व मानसिकता दोहन का शिकार होना पड़ रहा है।

जिसको लेकर आम आदमी पार्टी आमजन के हितार्थ इस भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठा रही है। उन्होंने कहा कि आम आदमी अपनी नीति व सिद्धांत के आधार पर ही जनता के बीच जाती है। जिससे प्रभावित होकर लोगों ने देश के दो राज्यों में सत्ता की बागडोर आप को सौंपी है।

उन्होंने कहा कि केसरिया में सरकारी डिग्री कॉलेज के निर्माण, दिल्ली सरकार की तर्ज पर आंगनबाड़ी केंद्रों को विकसित करने का काम,एवं केसीसी माफ करने, किसान सम्मान निधि को बढ़ाकर 24 हजार रुपया करने, राष्ट्रीय फसल बीमा योजना लागू करने आदि सभी माँग को लेकर धरना-प्रदर्शन किया गया है।

यदि सरकार हमारी मांगों को अविलंब पूरा नहीं करती है तो पार्टी की ओर से आंदोलन किया जाएगा। कार्यक्रम को पार्टी नेता सुजीत सिंह, केसरिया विधानसभा प्रभारी अरुण कुमार, प्रखण्ड प्रभारी विनोद प्रसाद सहित अन्य ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर अशोक पासवान, जीतन पासवान, जयनारायण राम, शम्भु राय, गोपाल दास, नारद राय, किशोर राय, मनोज सहनी, मदन ठाकुर, पप्पू कुमार यादव, महेश पटेल सहित पार्टी के सैकड़ों ग्रामीण तथा कार्यकर्ता मौजूद थे।

दो साइबर अपराधी गिरफ्तार

20 एटीएम सहित 6 एंड्राइड मोबाइल सेट किया जब्त

बीएनएम@बेतिया। मझौलिया थाना क्षेत्र के प्रसिद्ध सरिसवा बाजार से भोले भाले लोगों को बहला फुसलाकर एटीएम लेकर राशि गबन करने वाले दो साइबर अपराधी पुलिस के हत्थे चढ़ गए। जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष अभय कुमार ने बताया साइबर अपराधियों में बरवा वार्ड नंबर 7 निवासी अमर महतो का पुत्र एकबाली महतो और सिरिसिया ओपी थाना क्षेत्र के पटखौली वार्ड नंबर 9 निवासी राजेंद्र महतो का पुत्र रंजीत कुमार को विभिन्न बैंकों के 20 एटीएम एवं 6 एंड्राइड मोबाइल सेट के साथ गिरफ्तार किया गया है। इनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करते हुए न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

व्यवसाई व चिकित्सकों से फिरौती मांगने का आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम@मोतिहारी। फोन कॉल पर व्यवसायियों व चिकित्सकों से रंगदारी मांगने के साथ साथ गोली फायरिंग कर दहशत फैलाने के अलावा कई संगीन मामलों के आरोपित एवं श्यामपुर पंचायत के चर्चित पंसस पति बच्चा पासवान की हत्या का जिम्मेवारी लेने वाला कथित शूटर अभिषेक सर्राफ को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिससे पूछताछ में पुलिस को अहम सुराग का खुलासा होने की उम्मीद है। उसकी गिरफ्तारी कब और कहां हुई है, इसकी जानकारी पुलिस के वरीय अधिकारी के द्वारा बाद में दिए जाने की बात कही गई है। अभिषेक की गिरफ्तारी की सूचना जैसे ही सोशल मीडिया पर ट्रेन्ड में आया, स्थानीय आदापुर सहित सीमाई इलाके के व्यवसायियों ने राहत का सांस लिया। स्थानीय श्यामपुर बाजार निवासी भोला साह का एकलौता पुत्र अभिषेक सर्राफ उम्र करीब 21 वर्ष के विरुद्ध स्थानीय थाना में व्यवसायियों एवं चिकित्सकों से रंगदारी मांगने के कई मामले दर्ज है। वहीं बाजार के किराना व्यवसायी भोला साह पर दिन दहाड़े गोली चलाने के मामले में भी अभिषेक दो वर्षों से फरार चला आ रहा था। बतादें कि बीते 6 सितम्बर की सुबह श्यामपुर चौक से महज 50 मीटर की दूरी पर गोली मारकर पंसस पति बच्चा पासवान की हुई हत्या के मामले में भी अभिषेक ने अपनी संलिप्तता स्वीकारते हुए हत्याकांड के तुरंत बाद से ही बाजार के व्यवसायियों से रंगदारी का मांग करने लगा था।

BORDER NEWSMIRROR

Saturday 07 October 2023

Editorial

पक्षियों का वास, बचाने की आस

भारत पक्षियों के लिहाज से एक अनूठी विविधता वाला का देश है। यहां के विविध भौगोलिक इलाकों में पक्षियों की बहुरंगी प्रजातियां निवास करती हैं। उत्तर में बर्फ से ढके हिमालय से लेकर दक्षिण में पश्चिमी घाट के मनमोहक जंगलों तक, और पश्चिम में राजस्थान के शुष्क रेगिस्तानों से लेकर उत्तर-पूर्व की हरी-भरी आर्द्रभूमि तक। भारत का पक्षी जगत इसके भूगोल की तरह ही विविधताओं से भरा है। स्टेट ऑफ इंडियाज बड्र्स (एसओआईबी) 2023 की रिपोर्ट से पता चलता है कि यह देश पक्षियों की 1,300 से अधिक प्रजातियों का निवास-स्थान है और पक्षियों की वैश्विक विविधता के लगभग 12.40 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। पक्षियों की इन 1,353 प्रजातियों में से 78 प्रजातियां (5 प्रतिशत) इस देश में स्थानिक हैं। हालांकि, इस जीवंत झुंड का भविष्य तेजी से अंधकारमय हो रहा है, क्योंकि इनके निवास स्थान के विनाश, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन उनके अस्तित्व को खतरे में डाल रहे हैं। इस क्षेत्र में पक्षियों को वर्तमान में कई प्रकार के खतरों का सामना करना पड़ रहा है। इनमें से सबसे महत्वपूर्ण खतरा निवास स्थान की हानि और ह्रास है।इसके बाद मानव और वन्य जीवों के बीच का संघर्ष है। आवासों की क्षति एवं हानि के मूल कारण जटिल व आपस में जुड़े हुए हैं। इन कारणों में शहरीकरण, ढांचागत विकास, वर्तमान कृषि पद्धतियां, अत्यधिक दोहन के कारण प्राकृतिक वन आच्छादन को खतरा, संसाधनों की उच्च विदेशी मांग और संरक्षण समर्थक नीतियों का अपर्याप्त कानूनी प्रवर्तन शामिल हैं। जलवायु परिवर्तन एक और मंडराता हुआ खतरा है। मौसम के बदलते ढर्रे (पैटर्न), प्रवासन के बदले हुए मार्ग और भोजन की उपलब्धता में व्यवधान पक्षियों की कई प्रजातियों के अस्तित्व को प्रभावित कर रहे हैं। बढ़ता तापमान पक्षियों के प्रजनन और घोंसला बनाने के पैटर्न को प्रभावित कर रहा है। परिणामस्वरूप कई पक्षियों के लिए अनुकूलन करना चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है।

भारत में डॉल्फिन और संरक्षण के प्रयास

लीना नंदन

डॉल्फिन एक अद्भुत प्रजाति है, जो अपनी बुद्धिमत्ता और करिश्माई आकर्षण के लिए जानी जाती है। भारत में यह विलक्षण जीव सांस्कृतिक और पारिस्थितिकीय दोनों रूपों में महत्वपूर्ण है। ये जीव अपनी चपलता और चंचल व्यवहार दोनों के लिए जाने जाते हैं, जिससे वे वन्य जीवन पर नजर रखने वालों के बीच लोकप्रिय हैं। भारत अपने तटीय और मीठे पानी वाले क्षेत्रों में रहने वाली डॉल्फिन प्रजातियों की समृद्ध विविधता से परिपूर्ण है। इंडो-पैसिफिक हंपबैक डॉल्फिन और गंगा नदी में पाई जाने वाली डॉल्फिन प्रजातियां सबसे मुख्य हैं। ये डॉल्फिन प्रजातियां अपने पर्यावास के आसपास पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। गंगा नदी में पाई जाने वाली डॉल्फिन प्रजाति अपने गुलाबी रंग और मीठे पानी के वातावरण के लिए अद्वितीय अनुकूलन के साथ, गंगा, ब्रह्मपुत्र और उनकी सहायक नदियों में पाई जाने वाली एक विशिष्ट प्रजाति है। हालांकि, डॉल्फिन संरक्षण को पर्यावास विखंडन, जल प्रदूषण, मत्स्य पालन सहित मानवीय हस्तक्षेप, बांध और बैराज तथा जलवायु परिवर्तन जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। भारत में डॉल्फिन संरक्षण के लिए प्राथमिक चुनौती उसके पर्यावास का क्षरण है। तेजी से शहरीकरण, औद्योगीकरण और अस्थिर कृषि पद्धतियों के कारण जल प्रदूषण, पर्यावास का विनाश होने के साथ-साथ नदियों और उनके मुहानों में जल का प्रवाह कम हो गया है। ये परिवर्तन उस नाजुक इको सिस्टम को नुकसान पहुंचाते हैं, जिस पर डॉल्फिन अपने अस्तित्व के लिए निर्भर हैं। कृषि के साथ-साथ औद्योगिक और घरेलू कचरे से होने वाला प्रदूषण डॉल्फिन के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है। प्रदूषण के घटक जल स्रोतों को दूषित करते हैं, इनके लिए खाद्य की उपलब्धता को प्रभावित करते हैं, और खाद्य में विषाक्त पदार्थों या जैवसंचय के माध्यम से डॉल्फिन को सीधे नुकसान पहुंचा सकते हैं। डॉल्फिन भी अक्सर मछली पकड़ने के दौरान और समुद्र के औद्योगीकरण का अनजाने शिकार बन जाती हैं। वे मछली पकड़ने के जाल में फंस जाती हैं, जिससे वे घायल होती हैं या उनकी मृत्यु हो जाती है। नदियों पर बांधों और बैराजों के निर्माण से पानी का प्राकृतिक प्रवाह बाधित होता है और डॉल्फिन की आबादी अलग-थलग हो जाती है। यह विखंडन उनकी आनुवंशिक विविधता को कम करता है और उन्हें अंतः प्रजनन और स्थानीय तौर पर विलुप्त होने के लिए बाध्य करता है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, जैसे समुद्र के बढ़ते तापमान और समुद्र के जल स्तर में वृद्धि का डॉल्फिन की आबादी पर अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। मछलियों की अनियमित संख्या और महत्वपूर्ण पर्यावासों का नुकसान इनके संभावित परिणाम हैं। इनके महत्व, पर्यावरणीय लाभ और मानव कल्याण में योगदान को ध्यान में रखते हुए, भारत समुद्री और नदियों में पाई जाने वाली दोनों डॉल्फिन के संरक्षण में अग्रणी है। भारत सरकार द्वारा 2020 में प्रोजेक्ट डॉल्फिन लॉन्च किया गया। प्रोजेक्ट डॉल्फिन में विशेष रूप से गणना और अवैध शिकार विरोधी गतिविधियों में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से जलीय और समुद्री डॉल्फिन और जलीय पर्यावास दोनों का संरक्षण शामिल है। यह परियोजना मछुआरों और अन्य नदी/समुद्र पर निर्भर आबादी को शामिल करेगी और स्थानीय समुदायों की आजीविका में सुधार करने का प्रयास करेगी। डॉल्फिन के संरक्षण के लिए ऐसी गतिविधियों की भी परिकल्पना की जाएगी, जो नदियों और महासागरों में प्रदूषण को कम करने में भी मदद करेगी।

(लेखिका, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में सचिव हैं।)

Today's **Opinion**

योगी का सनातन संदेश

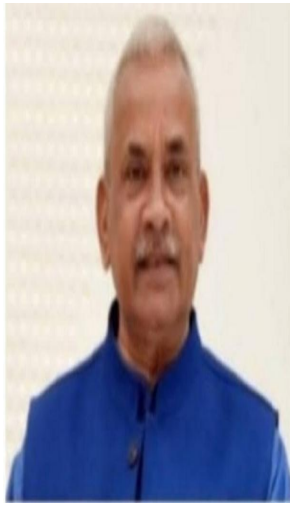

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

विपक्षी इंडी एलायंस के सदस्य हिन्दू धर्म पर हमला बोल रहे हैं। उसे धर्म नहीं धोखा बता रहे हैं। सनातन के उन्मूलन का ऐलान कर रहे हैं। मन्दिरों की मूर्तियों की प्रतिष्ठा के प्रतिकूल बयान दिए जा रहे हैं। जातिवाद और जातिगत वैमनस्य बढ़ाने वाले बयान दिए जा रहे हैं। इनमें से कोई भी दल विकास, सद्भाव और समरसता की बात नहीं कर रहा है, क्योंकि ऐसा करने पर इनको भी अपना हिसाब देना पड़ेगा। इंडी एलायंस की अनेक पार्टियां आज भी प्रदेशों मे सत्तारूढ़ हैं। यूपीए सरकार में भी ये साझेदार रहीं हैं। इसलिए विकास पर मौन रहने में ही इन्हें अपनी भलाई दिखाई देती है। इन सबने नरेन्द्र मोदी को हटाने का एकमात्र एजेंडा बनाया है। इसलिए वोट बैंक राजनीति चल रही है। हिन्दू, सनातन, ठाकुर का कुआं, हिन्दुओं के धार्मिक ग्रंथ आदि पर नकारात्मक बयान दिए जा रहे हैं। दूसरी तरफ योगी आदित्यनाथ जैसे मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने बिना भेदभाव के अभूतपूर्व विकास करके दिखाया है। इसके साथ ही सांस्कृतिक राष्ट्रवाद से प्रेरित बेमिसाल कार्य किए हैं। योगी श्री रामचरित मानस, हिन्दू और सनातन पर हमला बोलने वालों को उनकी औकात भी बता रहे हैं। जन्माष्टमी पर उन्होंने सनातन का अर्थ और भाव बताया था। उन्होंने कहा था कि यह मानव कल्याण का शाश्वत चिंतन है। उन्होंने कहा था कि जो सनातन रावण के अहंकार से नहीं मिटा, कंस के हुंकार से नहीं डिगा तथा बाबर और औरंगजेब के अत्याचार से नहीं मिटा, वह ऐसे सत्ता के लोभी लोगों से क्या मिटेगा। इन्हें अपने कृत्यों पर लज्जित होना चाहिए। रावण तथा हिरण्यकश्यप ने ईश्वर और सनातन धर्म की अवमानना करने का प्रयास किया था। कंस ने ईश्वरीय सत्ता को चुनौती दी थी, लेकिन वे सभी मिट गए। सनातन धर्म मानवता का धर्म है। दुनिया के सभी मत, मजहब तथा सम्प्रदायों को सनातन धर्मावलम्बियों ने सुरक्षा व संरक्षण देने का कार्य किया है। सनातन धर्मावलम्बियों ने कभी भी स्वयं को विशिष्ट नहीं माना, बल्कि सदैव कहा कि 'एकम् सत् विप्रा बहुधा वदन्ति' अर्थात सत्य एक है, विद्वान व महापुरुष उन्हें अलग-अलग भाव से देखते हैं। अलग-अलग रास्तों से इनका अनुसरण करते हैं। श्रीकृष्ण ने निष्काम कर्म की प्रेरणा दी- 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' अर्थात बिना फल की चिन्ता किए अपना कर्म करते रहो। साथ ही, 'परित्राणाय साधूनाम् विनाशाय च दुष्कृताम्' के भाव के साथ सज्जनों की रक्षा एवं संरक्षण के लिए कार्य करें, वहीं दुष्ट प्रवृत्ति के लोगों के खिलाफ कठोरता से कार्य करें। उत्तर प्रदेश पुलिस बल ने भगवान श्रीकृष्ण के इन सभी उपदेशों को अंगीकार करके प्रदेश के परसेप्शन को बदलने में बड़ी भूमिका का निर्वहन किया है। इसी का परिणाम है कि विगत एक वर्ष में उत्तर प्रदेश में 31 करोड़ पर्यटक आए हैं। उत्तर प्रदेश देश में निवेश के सबसे बड़े गंतव्य के रूप में उभरा है। प्रदेश के बारे में लोगों की धारणाएं बदल चुकी हैं। आज लोग यह मानते हैं कि उत्तर प्रदेश देश में सबसे अधिक प्रगति करने वाले राज्यों में है। ईश्वर सत्य तथा शाश्वत है। इसी प्रकार सनातन धर्म भी सत्य और शाश्वत है। पांच सौ वर्षों पूर्व अयोध्या में सनातन धर्म को अपमानित करने का प्रयास किया गया था। आज ईश्वरीय अवतारों की कृपा से सनातन धर्म फिर से खड़ा हुआ है। अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मन्दिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। दुनिया को मानवता के कल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाली भारत की सनातन परम्परा पर गौरव की अनुभूति करनी चाहिए। यह भारत की राष्ट्रीयता का प्रतीक है तथा देश को नई प्रेरणा देने का माध्यम है। भारत ने जी-20 की थीम 'वसुधैव कुटुम्बकम' रखी। भारत ने हजारों वर्षों से 'वसुधैव कुटुम्बकम' के भाव को माना है। हमें अपनी इन उपलब्धियों पर गौरव की अनुभूति होनी चाहिए। स्वच्छता सेवा अभियान में सहभागिता के लिए योगी नैमिषारण्य गए थे। यहां उन्होंने सनातन हिन्दू धर्म पर विचार व्यक्त किए थे। नैमिषारण्य की महिमा बताई थी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796,
प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

समीक्षा : टिकाऊ चमचों की वापसी वैचारिक व्यंग्य संग्रह है

विवेक रंजन श्रीवास्तव , भोपाल

किताब की शुरुवात लेखक के मन में उद्भूत विचारों से होती है. लेखक लिखता है . कम्पोजर कम्पोज कारता है. अक्षर शब्द और शब्द वाक्य बन जाते हैं, भाव मुखर हो उठते हैं. प्रकाशक छापता है. समारोह पूर्वक किताबों के विमोचन होते हैं. समीक्षक चर्चा करते हैं. किताब विक्रेता से होते हुये पाठक तक पहुंचती है. पाठक जब पुस्तक पढ़कर लेखक की वैचारिक यात्रा में बराबरी से भागीदारी करता है, तब किंचित यह यात्रा गंतव्य तक पहुंचती लगती है.

रचना के दीर्घगामी प्रभाव पड़ते हैं. लेखक सम्मानित होते हैं, पाठक रचनाकार के प्रशंसक, या आलोचक बन जाते हैं. अर्थात किताब की यात्रा सतत है, लम्बी होती है. अशोक व्यास व्यंग्य के मंजे हुये प्रस्तोता हैं. टिकाऊ चमचों की वापसी उनकी दूसरी किताब है. सुस्थापित लोकप्रिय, भावना प्रकाशन से यह कृति अच्छे गेटअप में प्रकाशित है.

सूर्यबाला जी ने प्रारंभिक पन्नो में अपनी भूमिका में पाया है कि लेखक अपने व्यंग्य कर्म में कहिं भी असावधान नहीं है. लालित्य ललित ने संग्रह के व्यंग्य पढ़कर आशा व्यक्त की है कि अपने आगामी संग्रहों में लेखक की चिंताये और व्यापक व अंतर्राष्ट्रीय हों. इस संग्रह में बत्तीस व्यंग्य हैं. पाठको के लिये विषयों पर सरसरी नजर डालना जरूरी है. अंग्रेजी घर पर है ?, अजब गजब मध्य प्रदेश , अध्यक्ष जी नहीं रहे. अध्यक्ष जी अमर रहें, आइए सरकार, जाइए, आभासी दुनिया का वास्तविक बन्दा, कलयुग नाम अधारा आपका आधार कार्ड, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का भारतीय तरीका, कोरोना कल्चर का प्रभाव, कोरोना की कृपा, गोद ग्रहण समारोह, जा आ आ जा आ आ दू !

जा आ आ दू , टिकाऊ चमचों की वापसी, ताली बजाओ ताल मिलाओ, दामाद बनाम फूफाजी, बुरा नहीं मानेंगे... चुनाव है, भारत निर्माण यात्रा, मध्यक्षता करा लो... मध्यक्षता, रंगबाज राजनीति, लिव आउट अर्थात छोड़ छुट्टा, विश्व युद्ध की संभावना से अभिभूत , सड़क बनाएँ, गड्ढे खोदें सतर्क मध्यमार्गी , सत्तर प्लस का युवा गणतन्त्र, साहित्यमति का बाहुबली साहित्यकार, सेवा के लिए प्रवेश, ज्ञान के लिए प्रस्थान, सोशल मीडिया के ट्रैफिक सिग्नल, हलवा वाला बजट , हाँ. मैं हूँ सुरक्षित !

होली के रंग बापू के संग, ईश्वर के यहाँ जल वितरण समस्या, जैसे दूरदर्शन के दिन फिरे और पोस्ट वाला ऑफिस डाकघर शीर्षकों से हजार, पंद्रह सौ शब्दों में अपनी बात कहते व्यंग्य लेखों को इस पुस्तक का कलेवर बनाया गया है. टाइटिल लेख टिकाऊ चमचों की वापसी से यह अंश उधृत करता हूं, जिससे आपको रचनाकार की शैली का किंचित आभास हो सके. प्लास्टिक के चमचों की जगह फिर धातुओ के चम्मचों का इस्तेमाल पसंद किया जा रहा है, यूज एण्ड थ्रो के जमाने में स्थायी और टिकाउ चमचों की वापसी स्वागत योग्य है . वह चमचा ही क्या जो मंह लगाने के बादस फेंक दिया जाये ... जैसे स्टील के चमचों के दिन फिरे ऐसे सबकें फिरें ... . अशोक व्यास अपने इर्द गिर्द से विषय उठाकर सहज सरल भाषा में व्यंग्य के संपुट के संग थोड़ा गुदगुदाते हुये कटाक्ष करते दिखते हैं .

परसाई जी ने लिखा था बलात्कार कई रूपों में होता है . बाद में हत्या कर दी जाती है . बलात्कार उसे मानते हैं जिसकी रिपोर्ट थाने में होती है. पर ऐसे बलात्कार असंख्य होते हैं जिनमें न छुरा दिखाया जाता है न गला घोंटा जाता है , न पोलिस में रपट होती है।

अशोक जी ने हम सबके रोजमर्रा जीवन में हमारे साथ होते विसंगतियों के ऐसे ही बलात्कारों को उजागर किया है, जिनमें हम विवश यातना झेलकर बिना कहीं रिपोर्ट किये गूंगे बने रहते हैं . उनकी इस बहुविषयक रिपोर्टो पर क्या कार्यवाही होगी ? कार्यवाही कौन करेगा ? सड़क पर लड़की की हत्या होती देखने वाला गूंगा समाज ? व्हाटस अप पर क्रांति फारवर्ड करने वाले हम आप ? या प्यार को कट पीसेज में फ्रिज में रखकर प्रेशर कुकर में प्रेमिका को उबालकर डिस्पोज आफ करने वाले तथाकथित प्रेमी ?

हवा के झोंके में कांक्रीट के पुल उड़ा देने वाले भ्रष्टाचारी अथवा सत्ता के लिये विदेशों में देश के विरुद्ध षडयंत्र की बोली बोलने वाले राजनेता ? इन सब के विरुद्ध हर व्यंग्यकार अपने तरीके से, अपनी शैली में लेखकीय संघर्ष कर रहा है . अशोक व्यास की यह कृति भी उसी अनथक यात्रा का हिस्सा है . पठनीय और विचारणीय है .

पुस्तक चर्चा

टिकाऊ चमचों की वापसी
अशोक व्यास
भावना प्रकाशन, दिल्ली
संस्करण २०२१
अजिल्द , पृष्ठ १२८, मूल्य १९९ रु
चर्चा... विवेक रंजन श्रीवास्तव, भोपाल

मैं कह सकता हूं कि टिकाऊ चमचों की वापसी वैचारिक व्यंग्य संग्रह है. अशोक व्यास संवेदना से भरे, व्यंग्यकार हैं . संग्रह खरीद कर पढ़यि आपको आपके आस पास घटित, शब्द चित्रों के माध्यम से पुनः देखने मिलेगा . हिन्दी व्यंग्य को अशोक व्यास से उम्मीदें हैं जो उनकी आगामी किताबों की राह देख रहा है.

एक लम्बी उड़ान सफलता की ओर

ये है जानभी चौधुरी, जो की ओड़शिा की रहने वाली है। ये एक ग्रेजुएट शिक्षक है। इन्हे संगीत गाना, पेन स्केच करना, प्रकृति फोटोग्राफी करना, सबकी मदत करना, नया कुछ सिखना और नृत्य करना बेहत पसंद है। पहले से इनको लिखना इतना पसंद नहीं था, मगर इनके जीबन में कुछ ऐसा हुआ की, वह डिप्रेशन से गुजरने लगी थी, उनकी मानसिक स्थिति का असर उनके पढ़ाई और तबीयत पर होने लगा, उनकी दशा बहुत बुरी हो गयी थी मगर तभी से उन्होंने लिखना शुरू किया, अपने अंदर के जज़्बातों को कागज़ में ज़ाहिर करना शुरू किया।

अपने हाल को शब्दों में पिरोना शुरू किया। मगर वह कभी हार नहीं मानी और डटकर अपने परिस्थिति का सामना किया और तब इनके माता -पिता ने ही इनका खोया हुआ आत्मबिस्वास बढ़ाया।

वह कहती है, सब हमे समझाने लगे मगर असर तब हुआ जब हम खुदके साथी बने, खुदसे प्यार करना सीखा और अँधेरे में गिरते -संभलते उसने अकेले रोशनी में चलना सिख ही लिया। और आज उन्हे लिखते -लिखते 3-4 साल हो गए हैं।

वह बिश्वास करती है, जो पहले लिखना

पसंद नहीं करती थी आज उसी लेखन से उसके जीबन को एक नयी दिशा दे दी है और ऐसी कोई जगह नहीं है की, जहाँ उनका लिखन न हो, उन्हे कविता, गद्य, शायरी, मोटिवेशनल स्टोरी और अनुच्छेद लिखना बहुत पसंद करती हैं।

स्टोरी मिरर पर भी उनका लिखन है और वह पॉडकास्ट भी करती है। आज न जाने कितने भटके लोगों को वह रास्ता दिखा चुकी हैं। उनका लक्ष्य है की वह सबकी मदत करें, जिस अवस्था से वह गुज़र चुकी है, उससे कोई और न गुज़रे

।वह समाज के लिए आज के युवा के लिए अपने लिखन के माध्यम से मदत करना चाहती है। उनका इंस्टाग्राम पेज है, जहाँ वह 2000+ से ज़्यादा लोगों से जुडी हुई है, अपने लिखन और वॉइस ओवर रील्स के माध्यम से। उनका लक्ष्य है, की वह कभी करोड़ों लोगों की आवाज़ बने, एक मोटिवेशनल स्पीकर बने और लोगों को प्रेरित करें। ये बहुत संकलन में काम कर चुकी है अभी भी कर रही है , बहुत संकलन में ये खुद संकलक भी रह चुकी हैं। इनकी अपनी संकलन है, कलयुग- काल का युग , दिल की बातें (Sarvad Publication), हाल -ए -ज़दिगी - The Untamned (Brown Page Publication), Culture Vs Modernity (Ek Shayar Ki Baate Publication), 90's Memories-The Nostalgia Alert (Uniq Publication) और हाली में लांच हुआ है, माँ -एक सच्ची कहानी, एक संघर्ष की निशानी (JEC Publication) और बहुत से समाचार पत्र में भी प्रकाशित हुई है। जैसे की, संस्कार समाचार, The Gram Today समाचार, Redhanded समाचार, हम हिंदूस्तानी USA (एक साप्ताहिक हिंदी बिदेशी समाचार पत्र), Coalfield Mirror समाचार, युग जागरण समाचार, दैनिक रोशनी समाचार, रुहेला टाइगर्स टाइम्स समाचार, दैनिक साहित्य समाचार, इंदौर समाचार, भारत टाइम्स समाचार, झंझट टाइम्स और राजगीर फ्रंटलाइन समाचार पत्र।इन्हे बहुत पदक, सम्मान पत्र और ट्रॉफी से सम्मानित किया गया है।

विश्वाकाश ग्रंथ रचनाकार के द्वारा सम्मानित पत्र प्राप्ति हुई है इन्हे। विश्वाकाश के चमकते सूर्य 2023 में मिला है इन्हे सम्मान पत्र।

इनकी पुस्तके Amazon, Flipkart पर है और Play Book Store पर भी है। और ये सफलता का श्रेय अपने ईश्वर, अपने पिता -माता और अपने करीबी लोगों को देती है।और बिश्वास करती है की अगर आत्मबिस्वास हो तो इंसान अपनी परिस्थिति का सामना कर, अपनी किस्मत खुद बदल सकता है।

संध्या चतुर्वेदी, मथुरा, उप्र

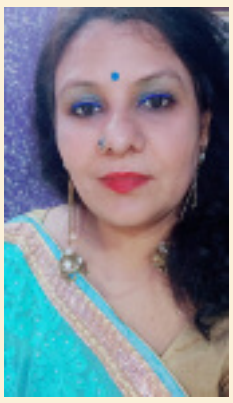

कैसी यह मुहब्बत

कैसी यह मुहब्बत है दोस्तो
कट रही रोज टुकडों में दोस्तों

जब प्यार था तब घर वार छोड़ दिया
आज उस ने ही यार प्यार छोड़ दिया

दिल से उतार फैंक दो उसे तुम
जिसने तुझे दिल से निकाल दिया

सौ टुकड़ो में कटने से अच्छा है
कि अकेले जिंदा रह लेना दोस्तों

जिंदगी जीने की सौ वजह ढूंढ लेना दोस्तों
तुम्हारे साथ जो हो रहा उस से उबर कर

दूसरों के लिए थोड़ा जी लेना दोस्तों
गम न करना मुहब्बत गंवाने का जरा भी

मिलती नहीं यह जिंदगी दुबारा तो
कुछ अपनी फिक्र कर लेना दोस्तों।।

ममता सिंह राठौर कानपुर

कदम भी अपना सफर

मोहब्बत लिखा तो पूछा यह क्या लिखा
नफरतों में यही सवाल किसके लिए लिखा।।

अरे बाबा लिखने दीजिए ख़ुद से जीने दीजिए
मन के विस्तृत आंगन में आने _ जाने दीजिए।।

अनुभवों के रंग से जिंदगी रगने दीजिए
अरे बाबा जिंदगी के स्वाद को चखने दीजिए।।

हदों के पार का ख़ामोश देखिए
मोल _तोल के बीच का झोल देखिए।।

अरे देखिए तो सही
जिंदगी का कड़वा कठोर देखिए
कदम भी अपना सफर भी अपना चलते चलिए।।

कही _सुनी कुछ _तुड़ी मुड़ी
मीठी खट्टी मिली जुली
यह जिंदगी किसकी खातिर,
मन के माफिक कौन है साथी।।

गले की खराश से हैं परेशान, तो इन 5 घरेलू उपायों को अपनाएं

नए साल की शुरुआत के साथ ही ठंड का प्रकोप भी बढ़ने लगा है। राजधानी दिल्ली समेत देश के कई हिस्सों में इन दिनों लगातार ठंड का कहर जारी है। ऐसे में इस सीजन सर्दी-जुकाम एक आम समस्या बनी रहती है। सर्दियों में इम्युनिटी कमजोर होने की वजह से अक्सर लोग आसानी से संक्रमण की चपेट में आ जाते हैं। सर्दियों में सर्दी-जुकाम के साथ ही गले की खराश भी एक आम समस्या है। ठंड के मौसम में कुछ भी ठंडा खाने से अक्सर यह समस्या हो जाती है।

गले की खराश एक ऐसी समस्या है, जो हमें काफी परेशान करती है। यह समस्या व्यक्ति को इस तरह प्रभावित करती है कि उसका खाना-पीना और बोलना तक मुश्किल हो जाता है। साथ ही किसी भी काम में मन की नहीं लग पाता है। अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं, तो कुछ ऐसे घरेलू उपाय हैं, जिन्हें करने से आप गले की खराश से राहत पा सकते हैं।

तो चलिए जानते हैं ऐसे ही कुछ नुस्खों के बारे में-

नमक का पानी

अगर आप गले की खराश से परेशान हैं, तो नमक का पानी इसमें आपके काफी काम आ सकता है। गले की खराश से तुरंत राहत पाने के लिए दिन में 2 से 3 बार नमक वाले गर्म पानी से गरारा करें। आप चाहे तो गर्म पानी भी पी सकते हैं। इस उपाय को करने से आपको गले में होने वाली परेशानी से राहत मिलेगी और गले में मौजूद बैक्टीरिया भी बाहर निकल जाएंगे।

अदरक की चाय

गले की समस्या होने पर आप अदरक की चाय भी पी सकते हैं। इस चाय से सेवन से न सिर्फ आपको गले में गर्माहट मिलेगी, बल्कि इससे आपकी इम्युनिटी भी मजबूत होगी। इसे बनाने के लिए अदरक के टुकड़ों को एक कप पानी में उबालें और फिर इसे छानकर गर्मागर्म पिएं। आप चाहे तो इसके अलावा कैमोमाइल टी और ग्रीन टी का सेवन भी कर सकते हैं।

शहद

गले की खराश मिटाने के लिए शहद भी एक बढ़िया विकल्प है। इसमें मौजूद एंटीबैक्टीरियल और एंटीइंफ्लेमेटरी गुण गले की खराश, दर्द, खांसी और जुकाम को दूर करने में कारगर है। आप शहद को गर्म पानी में मिलाकर पी सकते हैं। इसके अलावा अगर चाहे तो इसे हर्बल टी में डालकर या फिर अदरक के साथ भी इसे खा सकते हैं।

लौंग

औषधीय गुणों से भरपूर लौंग भी गले की खराश का एक बेहतरीन घरेलू उपाय है। आप कई तरीकों से इसका इस्तेमाल कर इस समस्या से निजात पा सकते हैं। आप चाहें तो सादा लौंग चबा सकते हैं। इसके अलावा आप

गर्म पानी में लौंग डालकर भी इस पानी को पी सकते हैं। साथ ही आप लौंग की हर्बल टी भी बना सकते हैं। इसके लिए लौंग को एक कप पानी में उबालें और आधा चम्मच शहद डालकर इसे पी लें।

लहसुन

सर्दियों में लहसुन का सेवन कई मायनों में सेहत के लिए फायदेमंद होता है। इम्युनिटी मजबूत करने के साथ ही यह सर्दी-जुकाम और गले की खराश को भी दूर करता है। लहसुन में मौजूद एंटी-माइक्रोबियल गुण वायरल इंफेक्शन में काफी फायदेमंद होते हैं। आप इसे गर्म या भुन कर खा सकते हैं।

हृदय रोग के लिए रामबाण दवा है अर्जुन की छाल

हृदय रोग के मरीजों की संख्या में रोजाना इजाफा हो रहा है। हाल के दिनों में हार्ट अटैक के मामले भी बढ़े हैं। युवावर्ग भी इससे अछूता नहीं है। बॉलीवुड के कई बड़े कलाकारों का निधन हार्ट अटैक से हुआ है। इसके अलावा, सामान्य जनमानस भी इससे प्रभावित हुए हैं। खबरों में रोजाना अचानक हार्ट अटैक के मामले पढ़ने और दिखने को मिल रहे हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो हृदय रोग के कई कारण हो सकते हैं।

इनमें दो प्रमुख कारण तनाव और बैड कोलेस्ट्रॉल है। तनाव से उच्च रक्तचाप बढ़ता है। वहीं, उच्च रक्तचाप से हृदय रोग का खतरा बढ़ जाता है। जबकि, शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से धमनियों में रक्त संचरण सही से नहीं होता है। इस स्थिति में हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा रहता है। इसके लिए रोजाना संतुलित आहार लें और एक्सरसाइज करें। साथ ही तनाव न लें। इसके अलावा, हृदय रोग से बचाव के लिए अर्जुन की छाल का सेवन करें। अर्जुन की छाल के सेवन से मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग में फायदा मिलता है। आइए, इसके बारे में सबकुछ जानते हैं-

अर्जुन की छाल

आयुर्वेद में अर्जुन को औषधि माना जाता है। इसकी पत्ती और छाल का इस्तेमाल कई रोगों को दूर करने में किया जाता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो इसमें हाइपोलिपिडेमिक पाया जाता है, जो बढ़ते कोलेस्ट्रॉल और उच्च रक्तचाप को कंट्रोल करता है। साथ ही शुगर कंट्रोल करने में भी मदद मिलती है। इसकी तासीर गर्म होती है। इसके लिए सर्दियों में अर्जुन की छाल का सेवन करना फायदेमंद होता है। हालांकि, अन्य मौसम में अर्जुन की छाल के अधिक सेवन करने से पहले डॉक्टर की जरूर सलाह लें।

कैसे करें सेवन

इसके लिए अर्जुन की छाल को रात में सोने से पहले एक गिलास पानी में भिगोकर रख दें। अगली सुबह गैस पर अर्जुन की छाल और पानी को गैस पर गर्म करें। फिर, इसमें काली मिर्च, तुलसी के पत्ते, अदरक, दालचीनी आदि चीजें डालकर काढ़ा तैयार करें। जब काढ़ा तैयार हो जाए, तो इसका सेवन करें। इस काढ़ा के सेवन से हृदय रोग में बहुत फायदा मिल सकता है।

शरीर में खून बढ़ाने के साथ हड्डियों के लिए फायदेमंद है किशमिश

ड्राई फ्रूट्स के सेवन से कितना फायदा होता है, ये तो आप जरूर जानते होंगे। आज आपको किशमिश के फायदों के बारे में बताएंगे। हर कोई इसके स्वाद से वाकिफ है, लेकिन किशमिश के गुण सिर्फ इसके स्वाद तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शरीर से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने में सहायक है।

सेहत के लिए किशमिश किसी वरदान से कम नहीं है। इसे खाने से कमजोरी, सुस्ती जैसी समस्याओं से राहत मिल सकती है। यह पोषक तत्वों का भंडार है। आइए जानते हैं, किशमिश सेहत के लिए कैसे फायदेमंद है।

सेहत के लिए किशमिश किसी वरदान से कम नहीं है। इसे खाने से कमजोरी, सुस्ती जैसी समस्याओं से राहत मिल सकती है। यह पोषक तत्वों का भंडार है। इसमें विटामिन-बी और कई पोषक तत्व पाए जाते है, जो लाल रक्त कोशिकाओं का निर्माण करते हैं। अगर आप एनिमिया से पीड़ित हैं, तो रोजाना किशमिश का सेवन कर सकते हैं।

1.खून की कमी दूर करने में सहायक

किशमिश में आयरन पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। इसमें विटामिन-बी और कई पोषक तत्व पाए जाते है, जो लाल रक्त कोशिकाओं का निर्माण करते हैं। अगर आप एनिमिया से पीड़ित हैं, तो रोजाना किशमिश का सेवन कर सकते हैं।

2.पाचन को स्वस्थ रखने में मददगार

किशमिश में मौजूद फाइबर पाचन के लिए लाभकारी है। इसके लिए रात में किशमिश को भिगो दें और सुबह में इसे खाएं। अगर आपको कब्ज की समस्या है, तो भिगे हुए किशमिश का नियमित रूप से सेवन कर सकते हैं।

3.आंखों के लिए फायदेमंद

किशमिश में पर्याप्त मात्रा में बीटा-कैरोटीन, विटामिन-ए और कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो आंखों के लिए फायदेमंद होते हैं। इसके नियमित सेवन से मोतियाबिंद का खतरा भी कम हो सकता है।

4.हड्डियों के लिए लाभदायक

किशमिश में कैल्शियम पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। जो हड्डियों को स्वस्थ रखने में सहायता करता है। हड्डियों को मजबूत रखना चाहते हैं, तो नियमित रूप से किशमिश का सेवन कर सकते हैं।

5.हाई ब्लड प्रेशर को करता है कंट्रोल

किशमिश में पोटैशियम और एंटी ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो ब्लड सर्कुलेशन को सुधार कर हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मददगार है।

BNM Fantasy

Saturday
07 October 2023

छुट्टियां बिताने अंडमान पहुंची रिया

रिया चक्रवर्ती बॉलीवुड का वो चेहरा हैं जो अपने काम से ज्यादा कंट्रोवर्सी के चलते सुर्ख़ियों में रही हैं. सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया चक्रवर्ती ने काफी बुरा वक्त देखा है. ड्रग्स मामले में उन्हें जेल तक जाना पड़ा. हालांकि अब रिया चक्रवर्ती को देखकर कहा जा सकता है कि उन्होंने कम बैक कर लिया है और एक खुशहाल जिंदगी की तरफ कदम आगे बढ़ाया है. इन दिनों रिया चक्रवर्ती का एक मस्ती भरा वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में रिया अपनी गर्ल्स गैंग के साथ वेकेशन एंजॉय करते और मस्ती करते हुए नजर आ रही हैं.

अ

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर की लाइफ में फिर हुई प्यार की एंट्री

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर का नाम बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्रियों की लिस्ट में शामिल है। श्रद्धा को उनकी सादगी के लिए भी सराहा जाता है। फिल्मों के साथ-साथ श्रद्धा अपनी पर्सनल लाइफ के कारण भी हमेशा चर्चा में रहती हैं। इसी बीच अब श्रद्धा एक नई वजह से खबरों में हैं। हर तरफ ये चर्चा है कि श्रद्धा एक मशहूर राइटर को डेट कर रही हैं। खबरों के मुताबिक कहा जा रहा है कि श्रद्धा मशहूर राइटर राहुल मोदी को डेट कर रही हैं। राहुल ने श्रद्धा कपूर की फिल्म 'तू झूठी, मैं मक्कार' की कहानी लिखी थी। इस फिल्म के अलावा राहुल ने 'प्यार का पंचनामा', 'सोनू के टीटू की स्वीटी' जैसी कई फिल्मों की कहानियां लिखी हैं। श्रद्धा कपूर और राहुल की डेटिंग की खबर के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं व्यक्त कर रहे हैं। इससे पहले, श्रद्धा के सेलिब्रिटी फोटोग्राफर रोहन श्रेष्ठ को डेट करने की अफवाह थी। कहा जाता है कि करीब 4 साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद 2022 में दोनों अलग हो गए। इसी बीच कुछ दिनों पहले श्रद्धा और एक्टर आदित्य राय कपूर के अफेयर की चर्चा जोरो में थी। इन दोनों का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। फिल्म 'आशिकी-2' में दोनों की जोड़ी को फैंस ने खूब पसंद किया था। श्रद्धा की आने वाली फिल्मों की बात करें तो वह जल्द ही राजकुमार राव के साथ 'स्त्री-2' में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन अमर कौशिक ने किया है।

कपिल शर्मा और हुमा कुरैशी को ईडी का समन

श्रद्धा-टाइगर समेत 15 एक्टर रडार पर

महादेव ऑनलाइन गेमिंग ऐप्स मामले में बॉलीवुड के कई चर्चित नाम सामने आए हैं। रणबीर के साथ-साथ लोकप्रिय कॉमेडियन और टीवी अभिनेता कपिल शर्मा और बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी, लोकप्रिय धारावाहिक अभिनेत्री हिना खान को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने समन भेजा है। तीनों अभिनेताओं से ईडी पूछताछ करने जा रही है। ये पूछताछ कब होगी, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। कपिल शर्मा, हुमा कुरैशी और हिना खान शो करने के लिए दुबई की एक शानदार पार्टी में गए थे। उस वक्त कुछ कलाकारों ने इस ऐप का प्रमोशन किया था। तीनों एक्टर अब ईडी की रडार पर हैं। साथ ही कुछ और बॉलीवुड व टीवी कलाकारों को भी समन जारी किया है। इनमें आतिफ असलम, राहत फतेह अली खान, अली असगर, विशाल ददलानी, टाइगर श्रॉफ, श्रद्धा कपूर, नेहा कक्कड़, भारती सिंह, एली अवराम, सनी लियोनी, भाग्यश्री, पुलकित सम्राट, कीर्ति खरंबदा, नुसरत भरूचा और कृष्णा अभिषेक शामिल हैं। यह ऑनलाइन जुआ ऐप लोगों को गेमिंग के लिए प्रोत्साहित करता है। इसी बीच इस मामले में एक्टर रणबीर कपूर को लेकर अहम जानकारी सामने आई है। रणबीर ने पूछताछ के लिए पेश होने के लिए दो हफ्ते का वक्त मांगा है। हालांकि, ईडी ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि रणबीर का समय बढ़ाया जाए या नहीं। महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप मामले में मशहूर बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर को समन भेजा गया था। उन्हें पूछताछ के लिए 6 अक्टूबर को ईडी कार्यालय में उपस्थित होने के लिए कहा गया है। इस मामले में गवाह के तौर पर उनका बयान दर्ज किया जाएगा।